

संक्षिप्त समाचार

अग्रोहा धाम में 25 अक्टूबर को विशाल वार्षिक मेले में देश व प्रदेश से भारी संख्या में लोग भाग लेंगे-बजरंग गर्ग

हिसार – अग्रोहा धाम में महाराजा अग्रसेन जयंती पर हवन-पूजन, भंडारा व माला अर्पण का भव्य कार्यक्रम अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग के नेतृत्व में किया गया। जिसमें भारी संख्या में समाज के व्यक्तियों ने भाग लिया। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन अग्रवाल समाज के ही नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता की प्रेरणा स्रोत थे। महाराजा अग्रसेन ने समानता, सामाजिक न्याय,भाईचारे और जनकल्याण का संदेश दिया। उन्होंने ऐसी व्यवस्था का मार्ग दिखाया जिसमें हर व्यक्ति को सम्मान मिले और कोई भी व्यक्ति स्वयं को असहाय या उपेक्षित महसूस ना करें। बजरंग गर्ग ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत जरूरतमंद को हर घर से एक ईंट व एक मुद्रा देने का था। यही सिद्धांत आज भी सामाजिक एकता, आर्थिक सहयोग और जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज को व्यापार, उद्योग, ईमानदारी, परिश्रम व सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। श्री गर्ग ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के आदर्श को जन-जन तक पहुंचाना और युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ना बेहद जरूरी है। अग्रवाल समाज शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। देश व विदेश में रहने वाले वैश्य समाज के व्यक्तियों को महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों पर चलकर समाज की मजबूती के लिए कार्य करना चाहिए। बजरंग गर्ग ने महाराजा अग्रसेन जयंती पर महाराजा अग्रसेन को माला अर्पण करके याद किया। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रोहा धाम में 25 अक्टूबर को विशाल वार्षिक मेले में देश व प्रदेश से भारी संख्या में लोग भाग लेंगे और मेला हर दृष्टिकोण ऐतिहासिक होगा।इस अवसर पर मनीष गर्ग पंजाब, अमित जैन मध्य प्रदेश, बिहारी लाल मित्तल हनुमानगढ़, अनिल अग्रवाल मुरादाबाद, निर्मल अग्रवाल दिल्ली, नितेश अग्रवाल मोहाली, निशांत अग्रवाल फिरोजबाद, राजदीश प्रसाद अग्रवाल जयपुर, नैतिश गुप्ता गाजियाबाद, महेश अग्रवाल मथुरा, सीताराम सिंगल, ऋषि राज गर्ग, पवन गर्ग हिसार, महेंद्र गोयल भुना, शुभम गर्ग, केशव बंसल, तरुण गर्ग, ईश्वर सेठ, रवि सिंगला,प्रेम गोयल, विजय मित्तल,संदीप कुमार,हरीश शर्मा महेंद्र शर्मा, अरुण गोयल आदि भाई भाई भारी संख्या में भाग लिये।

पितरों की शांति के लिए सरस्वती तीर्थ पर उमड़ी आस्था



अनप्लग इंडिया

पिहोवा: श्राद्ध पक्ष की अमावस्या पर शनिवार को देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने सरस्वती तीर्थ पर आस्था की डुबकी लाई। श्रद्धालुओं ने सरस्वती सरोवर में स्नान के बाद अपने पितरों की आत्मिक शांति के लिए विधि-विधान से पिंडदान, तर्पण व अन्य धार्मिक कर्मकांड संपन्न किए। कर्मकांड करवाने के बाद श्रद्धालुओं ने प्रेत पीपल पर जल अर्पित कर कच्चा सूत बांधा। मान्यता है कि प्रेत पीपल पर कच्चा सूत बांधने से बुरी आत्माओं के प्रकोप से रक्षा होती है। इसके बाद श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की शांति और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए स्वामी कार्तिकेय मंदिर में तेल अर्पित किया। तीर्थ पुरोहित पंडित राहुल कौशिक ने बताया कि इस तीर्थ स्थान पर किए गए पाप व पुण्य 13 गुना फलते हैं। श्रद्धालुओं ने तीर्थ पर स्थित विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना करने उपरांत भिक्षुओं को दान देकर पुण्य अर्जित किया। तीर्थ पुरोहित सुभाष पीलस्य ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं और शास्त्रों-पुराणों के अनुसार, सरस्वती तीर्थ पर पितरों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान का विशेष महत्व है। पिहोवा का प्राचीन नाम पृथुदक है और इसे श्राद्ध कर्म के प्रमुख तीर्थों में गिना जाता है। श्रद्धालु यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हैं। इसी आस्था के चलते सरस्वती तीर्थ सदियों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

श्री दक्षिणा काली पीठ में सातवां चंडी महायज्ञ आज से

अनप्लग इंडिया

पिहोवा: नवरात्र के उपलक्ष्य में श्री दक्षिणा काली पीठ, मॉडल टाउन में 11 से 19 अक्टूबर तक सातवें चंडी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। पीठ के श्रीमहंत बंसी पुरी महाराज और व्यवस्थापक स्वामी खट्वांग पुरी महाराज ने बताया कि रविवार को महायज्ञ का शुभारंभ प्रायश्चित्त हवन, ध्वजारोहण, पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश और महाआरती के साथ होगा। यज्ञाचार्य डॉ. अभिषेक कुश के सान्निध्य में ब्राह्मण वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना करवाएंगे और यजमानों से आहुतियां उलवाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार भारत भूषण भारती, भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी, विधायक मनदीप चड्ढा और समाजसेवी प्रदीप सैनी, पार्षद राजेश गोयल, कैबिनेट मंत्री के सुपुत्र गौरव बेदी सहित कई गणमान्य लोग शामिल होंगे। श्रीमहंत बंसी पुरी महाराज ने कहा कि शाफ्ट परंपरा अनुसार कलियुग में मां दुर्गा वह गणपति जी की उपासना श्रेष्ठ बताई गई है महामाया आधा शक्ति समय-समय पर अलग-अलग अवतार लेकर विभिन्न स्वरूपों में महाकाली महालक्ष्मी तथा महासरस्वती तीन चरित्र के माध्यम से श्री दुर्गा सशस्ती में वर्णित है। मां दुर्गा की उपासना से सुख, समृद्धि और आरोग्य की प्राप्ति होती है। स्वामी खटवांग पुरी ने बताया कि 19 अक्टूबर सोमवार को पूर्ण होती कन्या पूजन एवं भंडारे के साथ चंडी महायज्ञ का समापन होगा।

गवर्नमेंट कॉलेज जटौली मंडी में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



अनप्लग इंडिया

जटौली। पटौडी जाटौली मंडी परिषद सीमा क्षेत्र में मौजूद गवर्नमेंट कॉलेज जटौली मंडी, में प्रिंसिपल डॉ. हंशु राव के निर्देशन में नशा मुक्ति समिति एवं योग समिति के सहयोग से नशा मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रमहक प्रिंसिपल पवन कुमार ने छात्र-छात्राओं को छात्र जीवन में नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों से अवगत कराय। कार्यक्रम के संयोजक कृष्ण कुमार व दीपाशु अग्रवाल ने नशे को समाज का सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए विद्यार्थियों को नशामुक्त परिवेश बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भविष्य में किसी भी प्रकार का नशा न करने तथा अपने परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जागरूकता फैलाने की शपथ ली। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में श्री विजयपाल, श्री अशोक कुमार, सिमरन, शुभम, डॉ. देविका, डॉ. रेखा यादव, डॉ. शोभा यादव डॉ. रवि कुमार पांडेय आदि की उपसाना से सुख, समृद्धि और आरोग्य की प्राप्ति होती है। स्वामी खटवांग पुरी ने बताया कि 19 अक्टूबर सोमवार को पूर्ण होती कन्या पूजन एवं भंडारे के साथ चंडी महायज्ञ का समापन होगा।

राज्यपाल ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए सामूहिक प्रयासों का किया आह्वान

16 लाभार्थियों को मिले निःशुल्क कृत्रिम अंग

अनप्लग इंडिया
चंडीगढ़- हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कॉर्पोरेट घरानों, परोपकारी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं सहित आम नागरिकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण तथा उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए आगे आएँ और मानवीय सेवा से जुड़े प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। राज्यपाल आज लोक भवन, हरियाणा में ‘एक्ट ह्यूमेन’ संस्था द्वारा आयोजित कृत्रिम अंग वितरण शिविर को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित थीं। शिविर के दौरान 16 जरूरतमंद लाभार्थियों को निःशुल्क अत्याधुनिक कृत्रिम अंग प्रदान किए गए।

राज्यपाल ने कहा कि समय, कौशल अथवा संसाधनों के रूप में दिया गया छोट-सा योगदान भी किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। उन्होंने कहा कि कई



लोगों को अपनी क्षमताओं और दुर्घ संकल्प के बावजूद, आत्मनिर्भरता फिर से हासिल करने और अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने

के लिए समय पर सहयोग की आवश्यकता होती है। ऐसे में समाज का सामूहिक सहयोग न केवल उन्हें गतिशीलता प्रदान करता है,

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2026 के अवसर पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयो

अनप्लग इंडिया
हिसार। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार में मनाए जा रहे वि्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह-2026 के अंतर्गत महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग तथा रेड क्रॉस, रेड रिबन, प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच गतिविधि क्लब के संयुक्त तत्वावधान में टाटा 1इंद्र लैब के सहयोग से एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के कर्मचारियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व को समझाना था। शिविर में रक्त शर्करा (ब्लड शुगर), कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड एवं कैल्शियम की निःशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध करवाई गई। इसके अतिरिक्त, विशेष रियायती स्वास्थ्य पैकेज के अंतर्गत मधुमेह, थायराइड, हृदय, किडनी, लिवर फंक्शन एवं कैल्शियम संबंधी जांच की सुविधा प्रदान की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य श्री सतीश सिंगला ने स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी गतिविधियों की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य एक-दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने से अनेक स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान की जा सकती है। मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रणधीर सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए



♥ महाविद्यालय के प्राचार्य श्री सतीश सिंगला ने स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी गतिविधियों की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य एक-दूसरे के पूरक हैं।

जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।शिविर में 100 से अधिक विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य जांच की सुविधाओं का लाभ उठाया। महाविद्यालय द्वारा आयोजित यह पहल विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में 47वीं दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन



अनप्लग इंडिया
करनाल। पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में 47वी, दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शानदार समापन हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने बड़ चढ़ कर भाग लिया। लड़कों में कमलदीप और लड़कियों में कैडेट वसुंधरा एनसीसी एयर जिता ने श्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीता। कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय वालीबॉल कोच नरेश कुमार और विशिष्ट अतिथि के रूप में तन्वी कालड़ा ने शिरकत की। उन्होंने महाविद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण किया। महाविद्यालय के

अनप्लग इंडिया

प्राचार्य डॉ अनिल गर्ग और शारीरिक विभाग के प्रभारी डॉ0 विनोद चहल और डॉ. यशपाल ने मुख्य अतिथि को कैप पहना कर उनका अभिवादन किया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, आपसी भाईचारे और टीम वर्क सिखाती है। खेलों द्वारा स्वस्थ समाज और राष्ट्रीय का निर्माण होता है। प्राचार्य डॉ अनिल

गर्ग ने कहा कि खेल हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, सभी विद्यार्थियों को ऐसे प्रतियोगिताओं में बड़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। महाविद्यालय में खेल प्रतियोगिताएं हर साल करवाए जाते है ताकि विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान किया जा सके। खेल विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करते है मुख्य अतिथि ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और बाकी खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ0 राकेश यादव ने बेस्ट एथलीट खिलाड़ियों को इक्यावन -इक्यावन

गर्ग ने कहा कि खेल हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, सभी विद्यार्थियों को ऐसे प्रतियोगिताओं में बड़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। महाविद्यालय में खेल प्रतियोगिताएं हर साल करवाए जाते है ताकि विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान किया जा सके। खेल विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करते है मुख्य अतिथि ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और बाकी खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ0 राकेश यादव ने बेस्ट एथलीट खिलाड़ियों को इक्यावन -इक्यावन

सौ रुपए नगद पुरस्कार राशि भेंट की और वहीं विशिष्ट अतिथि तन्वी कालड़ा ने भी बेस्ट एथलीट खिलाड़ियों को इक्यावन -इक्यावन सौ रुपए और रनरअप को पच्चीस - पच्चीस सौ रुपए पुरस्कार राशि भेंट की। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के ये रहे परिणाम सौ मोटर लड़कों की दौड़ में प्रथम कमलदीप , द्वितीय अरुण, तृतीय दीपचंद रहे।सौ मोटर लड़कियों की दौड़ में प्रथम वसुंधरा द्वितीय , मुस्कान ,तृतीय प्रीति रहीं।हाई जंप लड़कों में प्रथम अरुण, द्वितीय हर्षित, तृतीया जतिन रहे। हाई जंप लड़कियों में प्रथम मुस्कान, तृतीय वसुंधरा रही।

संक्षिप्त डायरी

कृषक समृद्धि योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक

शत-प्रतिशत पहुंचाएं : सदस्य कुलजीत सिंह

एंजेंसी

प्रतापगढ़। कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य एवं प्रभारी (दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री) कुलजीत सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में कृषि एवं कृषि से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषकों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा पात्र किसानों तक शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए। बैठक में दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री कुलजीत सिंह ने विभागवार योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास और कृषकों की आय में वृद्धि के लिए संचालित योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। पात्र कृषकों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान विद्युत विभाग से संबंधित बोरिंग कनेक्शन का मामला भी सामने आया। जानकारी दी गई कि पिछले वर्ष की लाभग्रा 50 प्रतिशत बोरिंग के विद्युत कनेक्शन अभी नहीं हो पाए हैं। इस पर सदस्य ने उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया कि बोरिंग कनेक्शन के संबंध में विद्युत विभाग को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए, ताकि किसानों को बोरिंग का लाभ मिल सके। सदस्य कुलजीत सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कृषकों के कल्याण, उनके हितों की रक्षा तथा उनकी आय में वृद्धि के उद्देश्य से कृषक समृद्धि आयोग का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि आयोग में 12 विभाग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आयोग का मुख्य उद्देश्य किसानों का प्राथमिकता के आधार पर सर्वांगीण विकास करना है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव-गांव तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाकर अधिक से अधिक पात्र किसानों को योजनाओं से जोड़ा जाए। कृषि एवं कृषि से जुड़े विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा भी की जाए। बैठक में कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सरकारीता सहित कृषि से संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की योजनाओं एवं प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। सदस्य ने योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

परिनिर्वाण दिवस पर समाजवादियों ने किया कांशीराम को नमन

एंजेंसी

बस्ती समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को दलित वॉचत समाज को नई दिशा देने वाले कांशीराम को उनके परिनिर्वाण दिवस पर याद किया गया। कांशीराम जी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने आर्थिक रूप से शोषित और समाजिक रूप से पिछड़े लोगों का व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर संविधान निमाता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करने के लिये आखिरी सांस तक प्रयत्न किया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष एवं सरद विधायक महेंद्रनाथ यादव ने कहा कि पिछड़े अल्पसंख्यक तथा दलितों में सत्ता के प्रति प्यास जगाने वाले मान्यवर कांशी राम वास्तव में बहुजन आंदोलन के महानायक थे. उनके करिश्माई राजनीतिक विचारधारा से भारतीय राजनीति में एक नए युग का उदय हुआ। समाजवाद का भी यही लक्ष्य है कि समाज से ग़ैर बराबरी समाप्त हो। कहा कि देश कांशीराम के योगदान को सदैव याद रखेंगा। उन्होंने गरीब, वंचित, उपेक्षित वर्ग को राजनीतिक ताकत दिया। उन्होंने बाबा साहब के सपनों को ज़मीनी धरातल पर साकार किया। पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, समीर चौधरी, हरीश गौतम, मो. सलीम, राम अश्विप वर्मा, आर.डी. निषाद, संजय गौतम, हरीश गौतम आदि ने परिनिर्वाण दिवस पर कांशीराम के योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि कांशीराम ने आंदोलन के जरिए दलित चेतना को उभारने में सफल रहे। उन्होंने सहयोग और क्रांति को नजरअंदाज करते हुए तीसरा रास्ता अपनाया. बामसेफ का गठन कर रणनीतिक कौशल और संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन किया। भारतीय राजनीति में उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि कांशीराम ने गरीबों को सत्ता में आने का स्वप्न ही नहीं दिखाया वरन उसे साकार भी किया।दलित चेतना के महानायक कांशीराम को परिनिर्वाण दिवस पर नमन करने वालों में मुख्य रूप से राम सिंह यादव, अशोक यादव, दीपक आर्या, अरविन्द सोनकर, लवकुश गौतम, नितराम चौधरी, राम बहाल चौधरी, हनुमान प्रसाद चौधरी, प्रशान्त यादव, युनूस आलम, गीता भारती, तूफानी यादव, चित्तामणि मिश्रा, गुलाब सोनकर, अजय कुमार, लल्लू सोनकर, पंकज कुमार यादव, जूलाबाल यादव, जयराम यादव, सुशील यादव, लालमन यादव, नीलू सिंह, गुलाम गौस, जीत बहगुर् सिंह के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूपी की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को अब हर साल मिलेंगी तीन साड़ियां

एंजेंसी

लखनऊ। सरकार ने प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को हर साल तीन साड़ियां देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में एक अतिरिक्त साड़ी उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नई कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को साल में दो साड़ियां मिलती हैं। अब व्यवस्था से प्रदेश की 3,80,290 कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को लाभ मिलेगा। इस पर राज्य सरकार करीब 19.02 करोड़ रुपए खर्च करेगी। कैबिनेट बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि प्रदेश में 1,90,145 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत हैं। इनके लिए 1,90,145 कार्यकत्रियों और इतनी ही सहायिकाओं के पद स्वीकृत हैं। सभी स्वीकृत पदों के आधार पर कुल 3,80,290 कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को एक-एक अतिरिक्त साड़ी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकार की 60:40 की वित्तीय भागीदारी वाली योजना के तहत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को प्रतिवर्ष दो साड़ियां उपलब्ध कराई जाती हैं। अब तीसरी साड़ी राज्य सरकार अपने खर्च पर देगी। इसके लिए प्रति साड़ी 500 रुपए निर्धारित किए गए हैं। कुल अनुमानित व्यय 19,01,45,000 रुपये होगा। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को कार्यस्थल पर निर्धारित वेशभूषा में काम करना होता है। नियमित इस्तेमाल, धुलाई, प्रतिकूल मौसम और साड़ी के अचानक गंदा या खराब होने जैसी परिस्थितियों को देखते हुए एक अतिरिक्त साड़ी देने का फैसला किया गया है। प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं और आकांक्षामक जिलों में 14 से 18 वर्ष की किशोरियों को अनुपूरक पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाता है। इन सेवाओं के संचालन में कार्यकत्रियों और सहायिकाओं की अहम भूमिका है।

आईजीआरएस समीक्षा बैठक: जिलाधिकारी अवनीश राय ने 90% संतुष्टि मानक से पीछे छूटे विभागों को दी सख्त चेतावनी

एंजेंसी

बदायूं।जनसुनवाई और जनसमस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सख्त रख अपनाए हुए है। एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली के अंतर्गत शासन द्वारा निर्धारित 90 प्रतिशत जन-संतुष्टि के मानक को पूरा न करने वाले विभागों और उनके विभागाध्यक्षों के प्रति जिलाधिकारी अवनीश राय ने गहरा असंतोष और कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय सभागार में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण, निस्तारण की गुणवत्ता और शिकायतकर्ताओं के संतुष्टि प्रतिशत की विभागावार गहन समीक्षा की। बैठक में स्पष्ट हुआ कि



कई प्रमुख विभाग शासन द्वारा तय किए गए 90 प्रतिशत संतुष्टि के अनिवार्य मानक को हासिल करने में पूरी तरह विफल रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने सख्त लहजे में हिदायत दी कि जिन विभागों की प्रगति मानक से कम है, वे आगामी एक सप्ताह के भीतर अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाते हुए 90

प्रतिशत संतुष्टि मानक को हर हाल में प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उन्होंने साफ किया कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही या हीला-हवाली पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाएगी और उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। केवल

कैबिनेट बैठक: योगी ने एलडीए को दी नौसेना शौर्य संग्रहालय के विकास की जिम्मेदारी

एंजेंसी लखनऊ। लखनऊ में पर्यटन को नया आयाम देने के लिए विकसित किए जा रहे नौसेना शौर्य संग्रहालय का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में संग्रहालय के तीसरे चरण के तहत वाटर बॉडी विकसित करने के लिए करीब 6.8 एकड़ जमीन पर्यटन विभाग को उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। साथ ही संग्रहालय परिसर के संचालन और रखरखाव की जिम्मेवारी लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंपने का भी निर्णय लिया गया। ताजा हिंदी समाचार वाटर बॉडी विकसित करने के लिए एलडीए संबंधित 6.8 एकड़ भूमि पर्यटन विभाग को एक लाख रुपये की टोकन मनी पर उपलब्ध कराएगा। परियोजना के तहत नौसेना के जहाजों की प्रतिकृतियां, बोटिंग, लाइट एंड साउंड शो के साथ जलीय जीवन और समुद्री जैव विविधता से जुड़ी प्रदर्शनीय विकसित की जाएगी। इससे नौसेना शौर्य संग्रहालय को एक ऐसे पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है, जहां लोग देश के समुद्री इतिहास और नौसेना की तकनीक को करीब

से जानने के साथ मनोरंजन का भी आनंद ले सकेंगे। इतिहास, विज्ञान और तकनीक से रूबरू होंगे पर्यटक उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग भारतीय नौसेना के सहयोग से नौसेना शौर्य संग्रहालय विकसित कर रहा है। इसका उद्देश्य पर्यटकों को देश की समुद्री विरासत और नौसेना की सामरिक ताकत से रूबरू कराने के साथ अनुभवात्मक व ज्ञान आधारित पर्यटन को बढ़ावा देना है। संग्रहालय में नौसेना के उपकरणों, समुद्री इतिहास और देश की रक्षा क्षमताओं की झलक देखने को मिलेगी। डिजिटल तकनीक, ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों, इंटरैक्टिव प्रदर्शनीयों और सिमुलेशन के जरिये पर्यटक नौसेना की कार्यप्रणाली को करीब से समझ सकेंगे। नक्शे देखें 'संग्रहालय विस्तार से बढ़ेंगे पर्यटन और रक्षा' पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में ऐसे पर्यटन स्थलों का विकास किया जा रहा है, जो लोगों में जिज्ञासा पैदा करने के साथ युवाओं को देश की राष्ट्रीय विरासत से जोड़ें। अनुभवात्मक और ज्ञान आधारित पर्यटन के जरिए विद्यार्थियों के लिए इतिहास, विज्ञान

और तकनीक को अधिक रोचक बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नौसेना शौर्य संग्रहालय के विस्तार से परिवारों को लखनऊ घूमने का एक नया विकल्प मिलेगा। साथ ही पर्यटन से जुड़े कारोबार और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। परियोजना के पहले चरण के तहत विकसित नौसेना शौर्य वाटिका का उद्घाटन 30 मई 2026 को केंद्रीय रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने किया था। वाटिका में भारतीय नौसेना की ओर से उपलब्ध कराए गए युद्धपोतों और पनडुब्बियों के हिस्से, नौसैनिक तोपें, लंगर और प्रोपेलर प्रदर्शित किए गए हैं। इनके माध्यम से पर्यटक समुद्र से दूर स्थित लखनऊ में भी भारतीय नौसेना की कार्यप्रणाली और उसकी सामरिक क्षमताओं को करीब से समझ सकते हैं। आधुनिक तकनीक से रूबरू कराएगा एक्सपिरियंस सेंटर परियोजना के तहत प्रस्तावित क्यूरेशन एंड एक्सपिरियंस सेंटर में भारत की समुद्री विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। यहां डिजिटल गैलरी, इमर्सिव ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियां, इंटरैक्टिव प्रदर्शनीयों और सिमुलेशन विकसित किए जाएंगे। इनके

जरिए प्राचीन समुद्री व्यापार से लेकर आधुनिक नौसैनिक अभियानों और स्वदेशी रक्षा तकनीक तक की यात्रा को दर्शाया जाएगा। केंद्र में भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा, आपदा राहत और बचाव अभियानों में भूमिका की जानकारी भी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त यहां एक्वेरियम विकसित करने की भी योजना है। इससे विद्यार्थियों और शोध में रुचि रखने वाले युवाओं को समुद्री जीवन तथा उससे जुड़ी तकनीक को समझने का अवसर मिलेगा। परियोजना के तीसरे चरण में विकसित होने वाली वाटर बॉडी संग्रहालय परिसर का प्रमुख आकर्षण होगी। यहां नौसेना के जहाजों की प्रतिकृतियों के साथ बोटिंग की सुविधा विकसित की जाएगी। लाइट एंड साउंड शो तथा जलीय जीवन और समुद्री जैव विविधता से संबंधित प्रदर्शनीयों भी प्रस्तावित हैं। इससे संग्रहालय को शैक्षणिक भ्रमण के साथ परिवारों के मनोरंजन के लिए भी उपयोगी बनाया जा सकेगा। 69.10 करोड़ की परियोजना, 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य संग्रहालय भवन, नौसेना शौर्य वाटिका और क्यूरेशन से जुड़े कार्यों के लिए अलग तक करीब 69.10 करोड़ रुपए की मंजूरी दी जा चुकी है।

क्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

एंजेंसी बीआर इंटर कॉलेज हरैया के तत्वावधान में शुक्रवार को नेशनल इंटर कॉलेज हरैया में दो दिवसीय क्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। आयोजक विद्यालय के अध्यक्ष मनोहर लाल गुप्ता और आयोजन के प्रबंधक सोमेश सिंह ने संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। पहले दिन विभिन्न खेलों के शुभम चौधरी ने प्रथम स्थान हासिल किया। परशुरामपुर के शुभम द्वितीय और विक्रमजोशी के अंकित तृतीय स्थान पर रहे। अंडर-14 बालक वर्ग में गौर के सलमान ने बाजी मारी। छावनी के जुरे जमन द्वितीय और बिहरा के राज यादव तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर बालक वर्ग की दौड़ में हाजी मोहम्मद समानेन किया गया। प्रतियोगिता प्रभाकर ओझा, विवेक कुमार श्रीवास्तव और मनोज कुमार राय की देखरेख में संपन्न हुई। मैदान पर बेहतर प्रदर्शन के लिए

खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गोला फेंक में खिलाड़ियों ने अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया, वहीं दौड़ स्पर्धाओं में गति और प्रतिस्पर्धा का रोमांच देखने को मिला। गोला फेंक के अंडर-17 बालक वर्ग में शांति देवी इंटर कॉलेज के सिद्धार्थ पांडेय ने प्रथम स्थान हासिल किया। रामप्यारी इंटर कॉलेज के सुरज द्वितीय और बिहरा इंटर कॉलेज के मोहित तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में निर्णायक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। निर्णायकों में हरीश सिंह, प्रभाकर सिंह, जगन्नाथ यादव, अभिषेक कुमार, अखिलेश वर्मा, अमित कुमार मिश्रा, सुरेंद्र शुक्ला, सुभाष यादव, सुनील सिंह, विनोद वर्मा, इंद्रजीत वर्मा, तमोद सिंह, पूर्णिमा तिवारी और आदित्य प्रताप सिंह शामिल रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सविंदा कर्मचारियों का धरना, कार्य बहिष्कार दूसरे दिन भी जारी

एंजेंसी बस्ती। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सविंदा कर्मचारी संघ ने प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत सविंदा कर्मचारियों की लंबित मांगों को अयोग्यित धरना और कार्य बहिष्कार दूसरे दिन भी मुख्य क्विकत्साधिकारी कार्यालय पर जारी रहा। प्रदेश महामंत्री डा. आदित्य भारती, मण्डल अध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा, जिलाध्यक्ष डा. अजय कुमार के नेतृत्व में आयोजित धरने में वक्ताओं ने कहा कि कार्य बहिष्कार 10 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद भी सविंदा कर्मचारियों के नियमितकरण, समान कार्य-समान वेतन और सेवा सुरक्षा सहित अन्य मांगों को सरकार ने न माना तो 12 अक्टूबर को लखनऊ में प्रदर्शन किया जायेगा। बताया कि जनपद के 1100 सविंदा स्वास्थ्यकर्मि कार्य बहिष्कार में हिस्सा ले रहे हैं। संघ के प्रदेश महामंत्री डा. आदित्य भारती, मंडल अध्यक्ष डा वीके वर्मा जिलाध्यक्ष डा. अजय कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में एक

लाख से अधिक सविंदा कर्मचारी पिछले कई वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में लगातार योगदान दे रहे हैं। कोरोना महामारी के कठिन दौर में भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सविंदा कर्मचारियों ने पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं दीं किन्तु उनकी जायज मांगों को अनुमोनी किया जा नहीं सका। संघ की मांगों में सविंदा कर्मचारियों के लिए स्थानान्तरण नीति बहाल करने, सेवाकाल के दौरान मृत्यु होने पर परिवार के पात्र सदस्य को अनुकंपा निगुक्ति प्रदान करने की नीति बनाने, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आउटसोर्स के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को जिला स्वास्थ्य समिति में शामिल करने और स्वास्थ्य विभाग में होने वाली नियमित भर्तियों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सविंदा कर्मचारियों के लिए कम से कम 25 प्रतिशत सीटों का कोटा निर्धारित करने आदि की मांग शामिल है। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर दूसरे दिन हुये धरने और कार्य बहिष्कार के दौरान मुख्य रूप से डा. आनन्द गौरव शुक्ला, डा. राकेश कुमार, डा. प्रदीप शुक्ला, डा. जुनेद

अहमद, डा. इन्द्रेश चौधरी, डा. राम प्रकाश, डा. श्रद्धा सिंह, डा. दीपिका सचान, डा. नीलम चौधरी, डा. सतीश चौधरी, डा. ए.के. दूबे, डा. पी.एन. चौधरी, डा. धर्मेन्द्र चौधरी, डा. सुनील सौरभ, डा. रवि वर्मा, डा. नफीस खान, डा. साजिया, डा. अर्नित मिश्र, डा. आभिषा कुमार, डा. दिनेश सिंह कुशवाहा, डा. अजय कुमार, डा. नोरज त्रिपाठी, डा. अर्पिषा कुमार, डा. अमित पाण्डेय, डा. राकेश कुमार, विवेक मिश्र, शशि मौली रतन पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, राजकुमार, अर्नीता देवी, अनुराधा सिंह, राजकुमार प्रजापति, प्रभाकर श्रीवास्तव, राघवेंद्र त्रिपाठी, विवेक कुमार यादव, शिव भूषण श्रीवास्तव, रविन्द्र चौधरी, रीतेश कुमार सिंह, भगवान स्वरूप, कृष्ण मोहन सिंह, विजय वर्मा, मेराज अहमद, विवेकानन्द सिंह, रविन्द्र पटेल, प्रदीप यादव, विकास मौड़, जमील अहमद, उमेश श्रीवास्तव, डा. नीरज यादव, अवधेश मिश्र, अखिलेश चतुर्वेदी, पूजा गौड़ के साथ ही बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सविंदा कर्मचारी शामिल रहे।

बदायूं में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का भव्य शिविर: 356 दिव्यांगजनों को बाटे गए कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण

एंजेंसी बदायूं। दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मनिर्भरता और नई उम्मीदों का संसार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा बदायूं क्लब में एक विशाल नि:शुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस महत्वाकांक्षी शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के दिव्यांग वर्ग को सशक्त बनाना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना था, ताकि वे अपनी दैनिक गतिविधियों के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। कार्यक्रम के दौरान जिले के दूर-दराज के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए पात्र दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार अत्याधुनिक और उपयोगी उपकरण पूरी तरह नि:शुल्क प्रदान किए गए। शिविर में उपकरणों का आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में कुल 356 दिव्यांगजनों को च्चित कर उन्हें विभिन्न प्रकार के कृत्रिम अंगों और सहायक

उपकरणों से लाभान्वित किया गया। विभाग और प्रशासन द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ पात्रों की सूची तैयार की गई थी। शिविर में वितरित किए गए प्रमुख उपकरणों का विवरण इस प्रकार है: 172 ट्राईसाइकिल: सामान्य रूप से चलने-फिरने में असमर्थ दिव्यांगजनों के लिए पारंपरिक ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया, जिससे वे सुगमता से आ-जा सकें। 14 बैटरी चालित (मोटोराइज्ड) ट्राईसाइकिल: दूर-दराज आने-जाने और शारीरिक रूप से अधिक कमजोर व्यक्तियों के लिए आधुनिक बैटरी चालित ट्राईसाइकिल दी गईं। 105 कृत्रिम हाथ व पैर: जिन दिव्यांगजनों के अंग किसी दुर्घटना या अन्य कारणों से प्रभावित हुए थे, उन्हें कृत्रिम अंग प्रत्याशित कर नया सबल दिया गया। 56 जोड़ी बैसाखियां: पैरों से लाचार व्यक्तियों के लिए चलने में सहायक 56 जोड़ी बैसाखियां बांटी गईं। 05 व्हीलचेयर: गंभीर रूप से दिव्यांग व चलने में पूरी तरह असमर्थ लोगों को व्हीलचेयर प्रदान की गईं। स्मार्ट केन

(छड़ी): दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई स्मार्ट केन वितरित की गईं, जो उन्हें राह की बाधाओं से आगाह करती हैं। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा रहे मुख्य अतिथि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं केंद्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, बीएल वर्मा ने किया। उपेश संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री संदे मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से योग्य पात्र हुए कहा कि यदि किसी अंग का चतुर्मुखी विकास सुनिश्चित किया जा आवश्यकता है, तो उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे जरूरतमंद व्यक्ति राजकीय मेडिकल कॉलेज स्थित 'दिव्यांश केन्द्र' पहुंचकर नियमासुसार आवश्यक विधिक और प्रशासनिक

औपचारिकताएं पूरी कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। जांच के उपरांत उन्हें भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने अंगे कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों की ऐसी अनगिनत योजनाएं संचालित हो रही हैं, जिनका सीधा लाभ पात्र और वंचित वर्ग तक पहुंच रहा है। सरकार केवल कृत्रिम अंग और उपकरण ही वितरित नहीं कर रही है, बल्कि गरीबों और जरूरतमंदों को पक्का आवास, आयुष्मान योजना के तहत स्वास्थ्य सुविधाएं और स्वरोजगार के अवसर भी मुहैया करा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का विजन 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' है, जिसके तहत हर वर्ग को उंचा उठाने के लिए उन्हें जीवन पर नियमित पेंशन भी प्रदान की जा रही है, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे एमएलसी बागीश पाठक ने भी अपने चन्द्र प्रताप ने अपने संबोधन में सरकार की पारदर्शी नीतियों की सराहना की। उन्होंने



कहा कि वर्तमान सरकार बिना किसी भेदभाव, जाति या वर्ग के हर पात्र व्यक्ति को नि:शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध करा रही है। इसके साथ ही, दिव्यांगजनों के जीवन स्तर को उंचा उठाने के लिए उन्हें समान रूप से भाजपा के जिला उपाध्यक्ष शारदेन्दु पाठक, उपायुक्त स्वतः रोजगार रवि प्रकाश सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सन्तोष कुमार समेत तमाम प्रशासनिक अधिकारी और पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे।



स्टारडम की अब कोई तय परिभाषा नहीं, मेरी कहानियां जमीन से जुड़ीं

एक फिल्म की कहानी हमेशा एक्टर से बड़ी होती है। यह कहना है एक्टर आयुष्मान खुराना का। उन्होंने कहा, ‘मेरा शुरू से ही विधवास रहा है कि फिल्म की असली सुपरस्टार उसकी कहानी होती है। हालांकि, पिछले करीब 20 फिल्मों में मैंने हर तरह की फिल्मों की हैं। कुछ बिल्कुल अलग तरह की, तो कुछ पारंपरिक बॉलिवुड टाइप की भी, लेकिन अब मैं फिर से अपनी जड़ें यानी ऑथेंटिसिटी की ओर लौट रहा हूँ, क्योंकि मेरा मानना है कि अगर हम दर्शकों के सामने प्रामाणिक और सच्चा विषय लेकर आएँ, तो वह खुद ब खुद लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है। मेरी अगली फिल्म ‘उड़ता तीर’ भी कुछ ऐसी ही है। ऐसा अवसर कहा जाता है कि आज के एक्टरों की स्टारडम पहले के स्टार्स जैसी नहीं रही, जो दर्शकों को थिएटर में खींच सके। उस दौर में दर्शक उन्हें देखने के लिए तरसते थे। थिएटर बिजनेस के लिहाज से आज के समय में स्टारडम के मायने पूछने पर आयुष्मान ने कहा, ‘मुझे लगता है कि आज हम कई अलग-अलग यूनिवर्स में रह रहे हैं। आज मनोरंजन की कई अलग-अलग दुनिया है और हर दुनिया के अपने स्टार हैं। इनमें इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर भी शामिल हैं। कुछ स्टार ऐसे हैं, जो बहुत बड़े हैं, लेकिन



परिभाषा नहीं है। मसलन, कोई स्टार ऐसा हो सकता है, जो मीडिया से ज्यादा बात नहीं करता, लोगों से मिलना-जुलना पसंद नहीं करता या उस तक पहुंचना आसान न हो। वहीं कुछ लोग ऐसे हैं, जो लोगों ऑडियंस से बातचीत करना और उनसे जुड़ना पसंद करते हैं। मेरे लिए दूसरा तरीका ज्यादा मुफीद है, क्योंकि मैं रेंडियो से आया हूँ। टीवी प्रेजेंटर रहा हूँ। इसलिए लोगों से बात करना मेरे लिए जरूरी है। मेरी कहानियां जमीन से जुड़ी होती हैं और

उन्हें जीवंत बनाए रखने के लिए मुझे जमीनी स्तर के लोगों से बातचीत करते रहना जरूरी लगता है। इससे मेरे अंदर का कलाकार भी ज़िंदा रहता है। मेरे हिसाब से स्टारडम अब कोई एक्सक्लूसिव क्लब नहीं रह गया है। आज स्टारडम की कई परिभाषाएं हैं और यह हर इंसान के और हर दुनिया के लिए अलग हो सकता है।’

घिसी-पिटी कहानियों का दौर खत्म: श्रीराम राघवन

यहां दर्शकों की सिनेमा से दूरी और स्टारडम के मामले पर एक हसीना थी, बदलापुर, अंधाधुन जैसी शानदार फिल्में बना चुके फिल्मकार श्रीराम राघवन ने कहा, ‘जैसे डेजिल डियास ने कहा कि ‘ओडिसी’ और ‘ऑक्सेशन’, जो दोनों बिल्कुल अलग स्तर की फिल्में हैं, लेकिन दोनों को बड़े दर्शक मिले। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि फिल्म का चलना सिर्फ उसके स्कैल से तय होता है, बल्कि यह दर्शकों के साथ उसके कनेक्शन से होता है। फिल्म देखते हुए जब पूरा हॉल एक साथ हंस्ता है, एक साथ प्रतिक्रिया देता है, तो वह अनुभव अलग होता है। हमने यह अनुभव पहले भी किया है। जब मैंने आयुष्मान के साथ ‘अंधाधुन’ बनाई थी। फिल्म रिलीज के करीब छह महीने बाद चीन में शानदार चली। जबकि, वह पहले ही रिलीज हो चुकी थी, लेकिन अचानक लोगों ने उसे पसंद करना शुरू कर

क्या बनेगी ‘अंधाधुन 2’ बनाने को लेकर भी सवाल किया, जिस पर उन्होंने कहा कि वो तब बनेगी जब सही रिस्कट मिलेगी, ताकि पिछली वाली को मिले प्यार का मजा किरकिरा न कर दे।

दिया। कुछ फिल्मों में कुछ ऐसा अनोखा होता है, जो दर्शकों को अपनी ओर खींचता है और फिल्म बनाने समय हम भी वही अनोखी चीज देने की कोशिश करते हैं। मुझे लगता है कि अब घिसी-पिटी और रूटीन कहानियों का दौर खत्म हो रहा है। स्टार सिस्टम भी पहले जैसा नहीं रहा।’



होप के कायल हुए पीटरसन

आईपीएल नीलामी को लेकर दी सलाह, जमकर की सराहना
नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को रांची में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में भारत के बनाए 249 रन के जवाब में 252 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। कप्तान शाई होप ने 45 गेंद पर नाबाद 102 रन की पारी खेल इस जीत में अहम और यादगार भूमिका निभाई। टी20 में वेस्टइंडीज का यह सबसे बड़ा रन चेज था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने होप की विस्फोटक शतकीय पारी की जमकर तारीफ की और कहा कि अब उन्हें आईपीएल नीलामी में शामिल होना चाहिए।

केविन पीटरसन ने होप के लिए ये लिखा...
पीटरसन ने एक्स पर लिखा, ‘अगर शाई होप अपना नाम मिनी आईपीएल ऑक्शन में डालते हैं, तो उनके लिए कुछ अच्छा हो सकता है।’ होप के 45 गेंदों पर नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 252 रन बनाए। इस जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। वेस्टइंडीज के कप्तान होप अपनी पारी में आक्रामक होने के साथ ही काफी नियंत्रित दिखे। उन्हें शेरफेन रदरफोर्ड का बहुत अच्छा साथ मिला। रदरफोर्ड ने 37 गेंदों पर 84 रन बनाए और होप के साथ 120 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। होप के प्रदर्शन ने टी20 क्रिकेट की जरूरतों के हिसाब से अपने खेल को ढालने की उनकी काबिलियत की याद दिलाई। रदरफोर्ड ने बीच के ओवरों में जबरदस्त हिटिंग की, लेकिन कप्तान ने आखिरी समय में कप्तान संभालने से पहले यह पक्का किया कि टीम सही रास्ते पर रहे। भारत ने पांच विकेट पर 249 रन बनाए थे, जिसमें संजू सैमसन ने 41 गेंदों पर 82 और तिलक वर्मा ने 44 और श्रेयस अय्यर ने 40 रन बनाए थे। ईशान ने भी 43 रन की पारी खेली थी।

होनी है आईपीएल की नीलामी
आईपीएल के अगले सीजन के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी भारत में होगी। पिछले तीन वर्षों से यह आयोजन देश से बाहर हो रहा था, लेकिन अब ये भारत में ही होगी। पिछले तीन संस्करणों की नीलामी दुबई, जेद्दा (मेगा नीलामी) और आबू धाबी में आयोजित की गई थी।

रहाणे ने की ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम को आईपीएल से हटाने की मांग

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के विवादित ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम की आलोचना की है। रहाणे ने इस नियम को लीग से हटाने की वकालत भी की है। रहाणे उन कई क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं जो इस नियम की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस नियम से भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स का विकास रुक रहा है और यह किसी काम का नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रहाणे ने ‘क्रिकबज’ से कहा, ‘मुझे लगता है कि इसे हटा दिया जाना चाहिए। मुझे याद है कि पिछले साल आईपीएल कप्तानों की बैठक से पहले, ज्यादातर कप्तानों ने कहा था कि उन्हें ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम नहीं चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियम या गाइडलाइंस 2027 तक लागू हैं। इसलिए हमें नहीं पता कि वे इसे इस साल हटाएंगे या इस साल के बाद होने वाले बड़े ऑक्शन (नीलामी) में हटाएंगे। हालांकि, असल में मुझे लगता है कि ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम का कोई मतलब या फायदा नहीं है।’ रहाणे ने आगे कहा, ‘यह नियम भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स के विकास में भी बाधा डाल रहा है, क्योंकि फ्रेंचाइजी बल्लेबाज की जगह गेंदबाज और गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को लाकर बल्ले या गेंद से बेहतर

नतीजा पाने की कोशिश करती हैं।’ भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की कमी के कारण टीम को अक्सर उनके विकल्प की तलाश करनी पड़ती है। हालांकि, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी सामने आए हैं, लेकिन वे अभी भी हार्दिक की काबिलियत के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। इसके अलावा, भविष्य के लिए बहुत ज्यादा ऑलराउंडर्स तैयार होते नहीं दिख रहे हैं, खासकर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर्स, जो अब भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलते हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा, ‘खासकर आईपीएल में ऑलराउंडर्स खेल से बाहर होते जा रहे हैं। और मेरा पक्का मानना ?? है कि आपको अपने ऑलराउंडर्स को तैयार करना चाहिए। भारतीय टीम के नजरिए से ऑलराउंडर्स बहुत जरूरी हैं। इसी कारण ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ नियम को हटा देना चाहिए। पिछले साल मैं किसी टीम का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन कुछ टीमों शायद 90/7 या 100/7 के स्कोर पर थीं, और इस नियम के चलते एक अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारकर उन्होंने 200 रन तक बना लिए थे। यही कारण है कि मुझे लगता है कि गेंदबाजों को कुछ फायदा मिलना चाहिए और ऑलराउंडर्स भी खेल में पूरी तरह शामिल होने चाहिए। उन्हें इसे हटा देना चाहिए।’

एयरटेल मनी लंदन शेयर बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली। माहौल है। उन्होंने 2019 में एयर टेल अफ्रीका की लिस्टिंग का हवाला देते हुए कहा कि इन्होंने इस सूचीबद्धता को भारतीय समूह के ब्रिटेन में दीर्घकालिक निवेश के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील मित्तल ने एयरटेल मनी की सफल सूचीबद्धता का स्वागत करते हुए कहा कि यह ब्रिटेन पर वैश्विक निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है, जहां स्थिर कारोबारी और नीतिगत

बंद हुआ, जो निर्गम मूल्य से थोड़ा कम है। इस कौमत् के आधार पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 7 अरब अमेरिकी डॉलर (5.3 अरब पाउंड) आंका गया, जो पहले के 8-9 अरब डॉलर के मूल्यांकन अनुमान से कम है। फिलहाल, शेयर में सशर्त कारोबार हो रहा है, और नियमित कारोबार 14 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा। भारतीय एयरटेल की एयरटेल मनी में अप्रत्यक्ष आर्थिक हिस्सेदारी लगभग 61.6 प्रतिशत है।



वरुण एरोन बोले -गेंदबाजों ने घबराहट में आकर गलतियां कीं

नई दिल्ली। रांची में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल में वेस्टइंडीज द्वारा 250 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करने के बाद भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण एरोन ने टीम इंडिया की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदलना शुरू किया, तब भारतीय गेंदबाज अपनी तय योजना से भटक गए। एरोन का मानना है कि भारतीय गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी करने के बजाय बहुत जल्दी अपनी रणनीति बदल दी। उनके मुताबिक, ऐसे हालात में धैर्य बनाए रखना और बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखने के लिए लगातार अच्छी गेंदबाजी करना जरूरी था। वरुण एरोन ने ‘जियोस्टार’ से कहा, ‘शाई होप और रदरफोर्ड ने शानदार खेल दिखाया।



यह लगभग बैटमैन और रॉबिन जैसी साझेदारी थी। शाई होप ने एक छोर संभाले रखा और पारी को स्थिर रखा, जबकि रदरफोर्ड लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाज शुरुआती चार-पांच ओवरों के बाद सही लेंथ पर गेंदबाजी करना ही भूल गए।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान हॉकी टीम नहीं लेगी हिस्सा

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी टीम ने आधिकारिक तौर पर पंजाब में होने वाली पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। जालंधर और मोहाली में 27 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह अब बांग्लादेश खेलेगा। पाकिस्तान के सीमा पार यात्रा न करने के फैसले का मतलब है कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और मेजबान भारत का मुकाबला 27 अक्टूबर को टूर्नामेंट के पहले दिन बांग्लादेश से होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट का पूरा मैच शेड्यूल जारी किया। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब के दो मशहूर हॉकी स्टेडियमों – जालंधर में ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम और मोहाली में ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम – में खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन भारत और चीन हैं। जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक सफलतापूर्वक बचाने के बाद, पांच बार की एसीटी विजेता भारतीय टीम शीर्ष वरीयता प्राप्त टीम के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी और प्रतियोगिता में अपने शानदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।



संक्षिप्तसमाचार

मैक्सिको की जेल में भीषण दंगा : 10 लोगों की मौत, 16 घायल; ड्रग कार्टेल के गढ़ सिनालोआ में भड़की हिंसा

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको के कुख्यात और हिंसा प्रभावित राज्य सिनालोआ की एक जेल में गुरुवार को कैदियों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस भीषण दंगे में कम से कम 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, मारे गए 10 लोगों में नौ जेल के कैदी थे, जबकि एक व्यक्ति जेल में बंद किसी कैदी से मुलाकात करने आया हुआ परिजन/मुलाकाती था। नेशनल गार्ड ने संभाला मोर्चा हिंसा और झड़प की सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों और नेशनल गार्ड की टुकड़ियों को तुरंत जेल परिसर में तैनात किया गया। सुरक्षा बलों के कड़े हस्तक्षेप के बाद अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं। हालांकि, जेल प्रशासन और स्थानीय पुलिस की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दंगे की मुख्य वजह क्या थी और संघर्ष किन गुटों के बीच शुरू हुआ। उल्लेखनीय है कि सिनालोआ राज्य की मैक्सिको के सबसे हिंसक और खतरनाक इलाकों में गिना जाता है। यह इलाका दुनिया के सबसे कुख्यात 'सिनालोआ ड्रग कार्टेल' का मुख्य गढ़ माना जाता है, जहां अवसर विभिन्न आपराधिक गिरोहों के बीच वर्चस्व की जंग और हिंसक झड़पें देखने को मिलती रहती हैं।

अमेरिकी कांग्रेस में भारतीय पायलट स्मित को सम्मानित किया जाएगा

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मखार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के कांग्रेसनल रिकॉर्ड में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने फ्लाईटडुबई की उड़ान में एक साथी पायलट के कुल्हाड़ी से हमले के बाद 172 यात्रियों और चालक दल को बचाया था।भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। शुक्रवार को कांग्रेसनल रिकॉर्ड में बयान दर्ज होगा। यह घटना 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईडुबई उड़ान 1073 में हुई। कृष्णमूर्ति के बयान के अनुसार, विमान 30 सेकंड में करीब 16,000 फीट नीचे आ गया। गंभीर चोटों के बावजूद, कैप्टन मखार ने कॉकपिट का दरवाजा खोला। इससे यात्री और चालक दल हमलावर को काबू कर सके। विमान में सवार दो आरक्षित फ्लाईडुबई पायलटों ने नियंत्रण संभालकर उसे सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित उतारा। उड़ान में 4 अमेरिकी नागरिक और 27 बच्चों सहित 172 यात्री थे। कृष्णमूर्ति ने कैप्टन की त्वरित सौा और दृढ़ता की प्रशंसा की।

भारत के साथ जल बंटवारा विवाद वार्ता से ही सुलझेगा : बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूँ कबीर ने कहा है कि भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे जल बंटवारे के मुद्दों को केवल बातचीत और कूटनीति के जरिये ही सुलझाया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दिशा में प्रगति तभी संभव है जब दोनों देशों का शीर्ष नेतृत्व सहयोग की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाए। कबीर ने बुधस्पतिवार को यहां एक सेमिनार के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि साझा नदियों और गंगा जल बंटवारा संधि के भविष्य को लेकर दोनों पक्षों के बीच चर्चा जारी है।

अमेरिका में 2 लाख भारतवंशी वोटर्स के नाम कटे।मिडस्ट चुनाव में ट्रम्प को हार का डर; 2024 में 65% ने विपक्ष को वोट दिया था

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की वोटर लिस्ट से 2 लाख भारतीय मूल के वोटर्स का नाम कट गया है। इन लोगों के नाम उन 26 राज्यों में काटे गए हैं, जहां ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है। अमेरिका में करीब 2.1 लाख भारतवंशी वोटर्स हैं। 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने हैं। इन चुनावों में ट्रम्प की पार्टी को हार का डर सता रहा है। इसकी एक वजह भारतीय मूल के वोटर्स का रुझान है, जो हमेशा से उनकी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर रहा है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में करीब 65% भारतीय मूल के लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को वोट दिया था। वोटर लिस्ट की जांच क्यों हो रही अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन वोटर लिस्ट की जांच कर रहा है, ताकि अयोग्य वोटर्स के नाम हटाए जा सकें। सरकार का कहना है कि इससे चुनाव में गड़बड़ी रोकने और वोटिंग प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। इसी मकसद से ट्रम्प 'सेव अमेरिकन एक्ट' का समर्थन कर रहे हैं। फरवरी में अमेरिकी संसद के निचले सदन ने इस बिल को मंजूरी दी थी।

दुर्गा पूजा से पहले बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर चिंता, अवामी लीग ने सरकार को घेरा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अवामी लीग ने गुरुवार को देशभर में रह रहे अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। पार्टी ने सवाल उठाया कि जब एक पूरे हिंदू परिवार की हत्या हो सकती है और डेढ़ महीने बाद भी मामले में स्पष्ट जवाब नहीं मिलते, तो अल्पसंख्यकों की जिंदगी की क्या कीमत रह जाती है। पार्टी ने कहा कि ऐसे भय और असुरक्षा के माहौल में लोगों से कहा जा रहा है कि दुर्गा पूजा मनाई जाएगी, जबकि बांग्लादेश के मंदिरों में सजावट तक नहीं हो रही है। अवामी लीग के अनुसार, बच्चों ने गण कपड़े तक नहीं खरीदे हैं। वहीं, पार्टी ने एक बुजुर्ग महिला के

अगर आंदोलन शांतिपूर्ण था, तो सीजेपी नेताओं को हिरासत में लेने की जरूरत क्यों पड़ी

एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने सरकार की कार्रवाई को कायरतापूर्ण बताया

मुंबई, एजेंसी। एक कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता सुप्रिया सुले ने दीपके और सीजेपी के नेताओं को हिरासत में लिए जाने की निंदा की है, उन्होंने कहा कि ये नेता दिल्ली में शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल होने जा रहे थे। सुले ने सरकार की कार्रवाई को कायरतापूर्ण बताया है। उन्होंने सवाल किया कि अगर आंदोलन शांतिपूर्ण था, तो नेताओं को हिरासत में लेने की जरूरत क्यों पड़ी। सुप्रिया सुले ने कहा कि सरकार का तर्क है कि दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती थी, इसी आशंका के चलते धारा 163 लागू की गई और एहतियात के तौर पर हिरासत में लिया गया। सुले ने इस दलील पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने आंदोलनकारियों से बातचीत करने की कोशिश क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि अगर



कोई शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहा है, तो उसे दिल्ली में लेने की जरूरत क्या है। आखिर वे क्या कर लेते। सुले ने जंतर-मंतर पर हुए पिछले आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 24 घंटे युवा मौजूद रहते थे, लेकिन न हिंसा हुई और न ही किसी के साथ दुर्व्यवहार

हुआ, उन्होंने कहा कि वहां महिलाएं और लड़कियां भी अपने घर की तरह सुरक्षित महसूस कर रही थीं, उनके मुताबिक, यह देखकर अच्छा लगा कि नई पीढ़ी अपने विचारों को लेकर स्पष्ट है और आंदोलन किसी खास वर्ग तक सीमित नहीं था, बल्कि

एक उद्देश्य से जुड़ा हुआ था। सरकार की ओर से यह दलील दी जा रही है कि जुलाई में संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और संसद की कार्यवाही बाधित होने जैसी स्थिति दोबारा न बने, इसलिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं, लेकिन सुप्रिया सुले ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि सरकार के पास आंदोलनकारियों से बातचीत करने का विकल्प था। उन्होंने सवाल किया कि सरकार की ओर से किसने आंदोलनकारियों से संपर्क करने की कोशिश की। क्या किसी ने विपक्ष या सीजेपी के नेतृत्व से बातचीत की। सुले के मुताबिक अगर सरकार ने आंदोलनकारियों से संवाद किया होता, तो मार्च शांतिपूर्ण तरीके से निकाला जा सकता था। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार को संवाद करना ही नहीं आता। सुले ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर सीजेपी के साथ खड़ी है।

वांगचुक का केंद्र सरकार को अल्टीमेटम, 24 घंटे में नहीं किया रिहा...



नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दिल्ली में हो रहे सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान नेताओं की गिरफ्तारी पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने भारत को अघोषित आपातकाल की स्थिति में बतकरे गिरफ्तार नेताओं को जल्द रिहा करने की मांग की है। पर्यावरण कार्यकर्ता वांगचुक ने साफ कहा है कि अगर इन नेताओं को कल तक रिहा नहीं किया गया, तब वह अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करेंगे। इन नेताओं में अभिजीत दिपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका सहित कॉकरोच पार्टी के कई लोग शामिल हैं। वांगचुक ने एक बयान जारी कर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि शुरूआत को उन्होंने आज के प्रदर्शन को लेकर एकजुटता और शांति बनाए रखने की अपील की थी। तब पोस्टें सोचा भी नहीं था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में ऐसी स्थिति

बन जाएगी, इस स्थिति को अघोषित आपातकाल मान रहे हैं। वांगचुक के मुताबिक, उन्हें इसकी खुशी थी कि आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए कई नेता आगे आए हैं। लेकिन अब उन्हें पता चला है कि उन सभी नेताओं को गिरफ्तार किया है। वांगचुक ने इसी बात पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने उम्मीद जाहिर की है कि गिरफ्तार किए गए सभी नेताओं को जल्द रिहा किया जाएगा। वांगचुक ने साफ किया है कि अगर कल तक नेताओं की रिहाई नहीं होती, तब उन्हें अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करना पड़ेगा। यानी वे खुद अनशन या पदयात्रा के जरिए अपना विरोध दर्ज करने पर सोच सकते हैं। अनशन का मतलब खाना छोड़कर विरोध करना है, जबकि पदयात्रा में लोग पैदल चलकर अपनी बात रखते हैं। वांगचुक ने अपने संदेश में शांति और एकजुटता पर जोर दिया है।

अमेरिका फोर्ट हुड नरसंहार के दोषी को मौत की सजा, होगा लाइव टेलीकास्ट

पेंटागन, एजेंसी। पेंटागन के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि दोषी मिलिट्री बेस शूटर निदाल हसन को फायरिंग स्क्वाड द्वारा दी जाने वाली फांसी का लाइवस्ट्रीम किया जाएगा। इससे पहले रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा था कि यह फांसी 'पब्लिक' में दी जाएगी। हसन अमेरिकी आर्मी के साइक्रेट्रिस्ट था.उसने 2009 में फोर्ट हुड में 13 लोगों को गोली मार दी थी. उसे 1961 के बाद अमेरिकी सेना द्वारा दी गई पहली फांसी होगी और दूसरे विजय युद्ध के बाद फायरिंग स्क्वाड द्वारा दी गई पहली फांसी होगी. पेंटागन के अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर एएफपी को बताया, 'इसे लाइवस्ट्रीम किया जाएगा. डिटेल्स बाद में दी जाएंगी.' हेगसेथ ने गुरुवार को पेंटागन के ऑफिशियल अकाउंट्स से एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा था कि हसन



'सैनिकों की एक फायरिंग स्क्वाड लाने जा रहा है, जैसा कि होना चाहिए और हम यह पक्का करेंगे कि लोग इसे देख सकें, कि यह सार्वजनिक हो. हेगसेथ ने यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर पर राइट-विंग इन्फ्लुएंसर जैक पोसोबिएक से कहा, 'लोगों को यह समझने की जरूरत है कि इस तरह की चीजों के गंभीर नतीजे होते हैं.' हेगसेथ ने कहा कि यह दूसरे विश्व युद्ध के बाद मिलिट्री की पहली फायरिंग स्क्वाड फांसी होगी.

यह एडी स्लोविक के मामले का जिक्र है, जिसे 1945 में भगने के लिए मौत की सजा दी गई थी. हेगसेथ ने कहा, 'मुझे दूसरे विश्व युद्ध की हमारी सोच कुछ-कुछ पसंद है, जो जीतने की थी, जो यह समझती थी कि जब दुश्मन आप पर हमला करे तो आपको अपनी जगह पर डटे रहना चाहिए.' एक अलग क्लिप में पोसोबिएक ने पेंटागन चीफ से पूछा कि क्या हसन ने कोई आखिरी रिक्वेस्ट की है. हेगसेथ ने कहा, 'कोई बात नहीं. हम

उसे 3 दिसंबर को देखेंगे,' जिस दिन हसन को मौत की सजा मिलनी है. आखिरी अमेरिकी मिलिट्री फांसी 1961 में दी गई थी, जब जॉन बेंनेट को रेप और हत्या की कोशिश के लिए फांसी दी गई थी.

अधिकार समूह एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार 2025 में कम से कम 17 लोगों को सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई है. छह अफगानिस्तान में और 11 ईरान में.डेथ पेनल्टी इन्फॉर्मेशन सेंटर का कहना है कि 1916 से अब तक अमेरिकी सेना ने 135 सैनिकों को फांसी दी है. पेंटागन ने इस हफ्ते की शुरुआत में बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अल-कायदा से प्रेरित हमला करने के लिए हसन को फांसी देने की मंजूरी दे दी है. उसने जिन 12 लोगों को मारा और 30 घायल हुए. वह एक सैनिक था।



पर भरोसा नहीं जता रहे हैं। पीडित परिवार के रिश्तेदार भी इस बात को नहीं मानते कि केवल दो लोग परिवार के चार सदस्यों की एक-एक करके गला घोटकर हत्या कर सकते थे। अवामी लीग ने सत्तारूढ़ बीएनपी सरकार और विपक्षी जमात-ए-इस्लामी को निशाने पर लेते हुए जांच की

विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। पार्टी ने पूछा कि अगर मामला सुलझ गया है तो लोग अब भी डरे हुए क्यों हैं, और अगर मामला की गहराई से जांच की जाएगी, तो डेढ़ महीने बाद भी प्रयोगशाला की एक भी रिपोर्ट क्यों नहीं आई।

पार्टी ने कहा कि जिस घर में हत्याएं हुई थीं वहां अब पुलिस

लोगों की मौत, मंदिरों और घरों पर हमले, सैकड़ों कथित मानवाधिकार उल्लंघन और रिपुट में हिंदू परिवार के चार सदस्यों की हत्या जैसी घटनाओं ने अल्पसंख्यकों के बीच भय को और बढ़ा दिया है।

पार्टी ने कहा, 'प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई सरकार के लिए समानता के वादों की असली परीक्षा यह है कि कमजोर और संवेदनशील नागरिकों के साथ जमीन पर क्या हो रहा है। लेकिन अब सब चुप हो गए हैं अल्पसंख्यक 2026 में भी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंताओं के साथ प्रवेश कर चुके हैं। सरकार बदलने से उनकी आशंकाएं खत्म नहीं हुई हैं।

स्टारलिंग विवाद के बीच अंबानी पर भड़के एलन मस्क बताया पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंग को मंजूरी न मिलने पर उद्योगपति मुकेश अंबानी पर सीधा निशाना साधा है। मस्क ने अंबानी का भारत का असली बॉस बताया और उन्हें कटाक्ष करते हुए डियर प्राइम मिनिस्टर अंबानी कहकर संबोधित किया। मस्क भारत में स्टारलिंग को मंजूरी न मिलने से पहले से ही बौखलाए हुए हैं। मस्क ने कहा, मुझे नहीं पता था कि आप ही भारत के असली बॉस हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंबानी भारत के लोगों का एकतरफा शोषण करेंगे, लेकिन स्टारलिंग को देश में नहीं आने देंगे। मस्क के अनुसार, भारत के कई इलाकों में इंटरनेट नहीं है, जिससे बहुत सारे छात्र शिक्षा से वंचित रह जाते हैं और छोटे कारोबारी अपने उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में नहीं बेच पाते। उन्होंने दावा किया कि स्टारलिंग लाखों लोगों का जीवन बदल सकता है। एक दिन पहले, मस्क ने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए पूछा था कि क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या भारत सरकार अब नागरिकों के हितों को नजरअंदाज करके उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाली व्यवस्था की रक्षक बन गई है। मस्क ने बताया कि स्टारलिंग को 165 देशों में लाइसेंस मिल चुका है, लेकिन भारत में सभी शर्तों का पालन करने के बाद भी उसे मंजूरी नहीं मिली है।



मैं अयोध्या से लड़ने को तैयार, आप भी नामांकन कीजिए...

सीएम योगी को मंजूर अखिलेश का चैलेंज

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती पर पलटवार किया है। जनसभा में उन्होंने अखिलेश को भी अयोध्या से नामांकन करने को कहा और माफिया, राम मंदिर और विपक्ष की भाषा पर भी पलटवार किया। उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी अखिलेश पर सवाल उठा दिए। अखिलेश दो दिन के दौर पर अयोध्या पहुंचे थे। जहां उन्होंने भागवत कथा में हिस्सा लिया, संतों से आशीर्वाद लिया और एक जनसभा में बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपनी लोकप्रियता पर भरोसा है,तब अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखाएं। उनका कहना था कि राज्य न्याय और मानवता से चलता है और अयोध्या की जनता चुनाव में दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी।



अखिलेश की चुनौती पर योगी ने बलरामपुर में सीधा जवाब दिया। उन्होंने कहा, अखिलेश, अयोध्या हमारी पावन धाम है। हम सियासत के लिए नहीं, विकास के लिए अयोध्या जाते हैं। 'आइए, आपको ऑफर देता हूं। आप भी अयोध्या से नामांकन करिए और मैं भी। चलिए, और अयोध्या की जनता चुनाव में दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी।

स्थली बताया। सीएम योगी ने जनसभा में पिछली सरकारों पर भी निशाना साधा। उनका आरोप था कि पहले माफिया जिस जमीन पर पैर रखता था, उस पर कब्जा कर लेता था। सपा के गुंडे व्यापारियों को फोन कर धमकाते और संपत्ति हड़प लेते थे। उन्होंने दावा किया कि 2017 से पहले बलरामपुर की सड़कें सबसे खराब थीं। अब वोट तस्करी और

आली धाम में चढ़ा रिकॉर्ड चढ़ावा, 19 लाख से ज्यादा के नोट मिले

चित्तौड़गढ़ (एजेंसी)। जिले के कपासन उपखंड स्थित मेवाड़ के सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री शनिमहाराज आली धाम में मंदिर के भंडारे (दानपात्र) खोले गए। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा आस्थापूर्वक अर्पित की गई भेंट राशि की गिनती की गई। केवल नोटों की गिनती में ही कुल 19 लाख 41 हजार 755 रुपये की रिकॉर्ड भेंट राशि प्राप्त हुई है। मंदिर ट्रस्ट और प्रबंध समिति के अनुसार, सिक्कों की गिनती प्रक्रिया अभी जारी है, जिसके बाद ही इस माह प्राप्त हुई कुल भेंट राशि का अंतिम और सटीक आंकड़ा सार्वजनिक किया जा सकेगा। कपासन क्षेत्र के इस प्रमुख धार्मिक स्थल श्री शनिमहाराज आली में हर महीने अमावस्या से ठीक एक दिन पहले चतुर्दशी के पावन अवसर पर मंदिर के दानपात्रों को खोलने की वर्षों पुरानी परंपरा है। शनिवार को भगवान श्री शनिदेव महाराज की विशेष विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती और मंत्रोच्चार के बाद मुख्य समिति की मौजूदगी में भंडारों को खोला गया। इस दौरान मुख्य मंदिर परिसर, नगढ़ मंदिर और तेल कुंड के पास स्थित दानपात्रों से श्रद्धालुओं द्वारा समर्पित की गई भेंट राशि निकाली गई। दानपात्रों से निकाली गई राशि की गिनती कड़ी सुरक्षा और मंदिर पदाधिकारियों की उपस्थिति में शुरू की गई। बीती रात तक नोटों की गिनती का काम पूरा कर लिया गया, जिसमें यह रिकॉर्ड राशि प्राप्त हुई। इसके बाद अब सिक्कों की छंटनी और गिनती की प्रक्रिया शुरू की गई है। गिनती की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा रही है। चित्तौड़गढ़ और मेवाड़ क्षेत्र में श्री शनिमहाराज आली धाम की अपार धार्मिक मान्यता है। हर महीने आने वाली अमावस्या पर यहां देश और प्रदेश के विभिन्न कोनों से हजारों-लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान शनिदेव के दर्शन करने और तेल चढ़ाने पहुंचते हैं। भक्तों में मान्यता है कि यहां तेल अर्पण करने और पूजा-अर्चना करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। इसी अपार आस्था के चलते हर महीने भंडारे में लाखों रुपये की भेंट राशि और तेल समर्पित किया जाता है।

नेपाल में बाढ़ से 1.66 अरब डॉलर का नुकसान, सबसे ज्यादा बुनियादी ढांचा प्रभावित : विश्व बैंक



काठमांडू, एजेंसी। 26 अगस्त को नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से भीतिक संघर्षियों को करीब 1.66 अरब अमेरिकी डॉलर का सीधा आर्थिक नुकसान हुआ। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस कुल नुकसान का 83 प्रतिशत हिस्सा बुनियादी ढांचे से जुड़ा है। भीतिक नुकसान को लेकर विश्व बैंक का अनुमान नेपाल सरकार की प्रारंभिक 'रैपिड डैमेज एंड नीड्स असेसमेंट' (आरडीएनए) रिपोर्ट के आंकड़ों से काफी मिलता-जुलता है। सरकार ने अपने शुरुआती आकलन में नुकसान करीब 1.81 अरब अमेरिकी डॉलर बताया था। आरडीएनए के अनुसार, भीतिक संपत्तियों के नुकसान के अलावा करीब 883.32 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त नुकसान भी हुआ। इस तरह आपदा का कुल प्रभाव लगभग 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। इस संसद जारी 'नेपाल डेवलपमेंट अपडेट' में शामिल विश्व बैंक के 'ग्लोबल रैपिड पोस्ट-डिजास्टर डैमेज एस्टिमेशन' (जीआरएडीई) के अनुसार, सबसे ज्यादा 1.38 अरब डॉलर (83 प्रतिशत) का नुकसान बुनियादी ढांचे को हुआ। इसके बाद आवासीय भवनों को 185 मिलियन डॉलर (11 प्रतिशत)

और गैर-आवासीय भवनों को 101 मिलियन डॉलर (6 प्रतिशत) का नुकसान हुआ। भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई बाढ़ से जलविद्युत परियोजनाओं, सौर ऊर्जा सुविधाओं, बिजली ट्रांसमिशन लाइनों और परिवहन व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा। ऊर्जा क्षेत्र, खासकर जलविद्युत परियोजनाएं, सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शामिल रहें। अगस्त 2026 की बाढ़ से 12 जलविद्युत परियोजनाएं और एक सौर ऊर्जा परियोजना प्रभावित हुईं। इनमें 281.1 मेगावाट की चालू क्षमता और 395.02 मेगावाट की निर्माणाधीन क्षमता शामिल थी। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों को हुए नुकसान के कारण 149.6 मेगावाट बिजली राष्ट्रीय ग्रिड तक नहीं पहुंच पाई। इस तरह कुल प्रभावित क्षमता लगभग 430.7 मेगावाट रही, जो वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक नेपाल की कुल स्थापित जलविद्युत और सौर ऊर्जा क्षमता का लगभग 10.6 प्रतिशत है। बाढ़ से 82 किलोमीटर लंबे रसुवा व्यापार गलियारे (ट्रेड कॉरिडोर) के 55 किलोमीटर से ढांचे को हुआ। इसके बाद अधिक हिस्से को नुकसान हुआ, जबकि करीब 40 किलोमीटर सड़क पूरी तरह तबाह हो गई।